अध्याय 18

रङ्गमञ्चक कंपनी मे

0680CH18

कल्पना करू जे कलाकारक एकटा पैघ टीमक सङ्ग रहब जे प्रतिदिन मात्र थिएटर शो करैत अछि आ ओकर माध्यमसँ अपन रोजी-रोटी कमाबैत अछि। अहाँ रोज पूर्वाभ्यास करब, वेशभूषा पहिरब, श्रृङ्गार करब आ प्रतिदिन प्रदर्शन करब! अहाँ हुनका लोकनिक सङ्ग खाइत, खेलाइत, सुतैत आ एतय धरि कि यात्रा सेहो करत, ई सब शो करबाक लेल। ई सभ कहल गेल छल, कंपनी थिएटर', जे अठारहम, उन्नीसवीं आ बीसम शताब्दी मे अस्तित्व मे छलइ। एखन धरि बहुत कम बचल अछि!

आइए कंपनी थिएटरक एहि आकर्षक अवधारणाक एकटा झलक देखैत छी जे आब लगभग अस्तित्वहीन अछि।

कंपनी रङ्गमञ्चक एकर उपयोग नाट्य निर्माण करयवला कलाकारक पेशेवर कम्पनीसभक वर्णन करबाक लेल कएल जाइत अछि। कोलकातामे १७00क दशकमे एहन रङ्गमञ्च मण्डली छल।

एकटा शो के बाद कंपनी थिएटर टीम

अवधारणा प्रस्तुत कएल गेल

- भारतमे कंपनी थिएटरक अवधारणा
- लोकप्रिय कंपनी आ ओकर गिरावट

© NCERT not to be republished

पारसी नाटक मंडली

एहिमे सामान्यतः पैघ संख्यामे लोक शामिल होइत छलाह, जे पेशेवर आ व्यक्तिगत रूपसँ अपन आवश्यकतामे आत्मनिर्भर होइत छलाह। एहि मंडलीसभमे सभगोटे छलाह - मेकअप पुरुष, वेशभूषा दर्जी, सेट डिजाइनर, चित्रकार, हल्का तकनीशियन, अभिनेता, नर्तक, गायक, लेखक, रसोइया, प्रबंधक आ लेखाकार। बेसीकाल एहिमे बच्चा सहित पूरा परिवार रहैत छल, जे एकर हिस्सा रहैत छल! दुनू गोटे एक सङ्ग शो प्रदर्शन करैत आ अपन पूरा जीवन यात्रा करैत काज कएलनि।

भारतक विभिन्न क्षेत्रक यात्रा करयवला पहिल कंपनी थिएटर मंडली छल पारसी रङ्गमञ्च कंपनीमहाराष्ट्रक बम्बईमे, जे १८50सँ १९३0क दशकमे पूरा भारतमे नाटक प्रस्तुत कएलक।

पहिल पारसी थिएटर कंपनी कहल गेल 'पारसी नाटक मन्दाली' १८53 मे अपन पहिल नाटक रूसतुम ज़बूली आ सोहराब प्रस्तुत कएलनि। एकर बाद राजा अफ्रासियाब छलाह। रुस्तम पहलवान आ पदसाह फरेदुन। १८६0 धरि मुम्बईमे २0सँ बेसी पारसी रङ्गमञ्च समूहक गठन भेल छल।

हुनकालोकनिक प्रोसेनियम शैलीक प्रस्तुतिसभ पूरा भारतमे बहुत रास नाट्य प्रस्तुतिकेँ प्रेरित कएलक। तकर बाद, महाराष्ट्र, कर्नाटक आ आन्ध्र प्रदेशक अन्य भागमे कम्पनीक रङ्गमञ्च रूपमे तेजी आयल।

लोकप्रिय कंपनी, शो आओर स्टोरीज

सुरभि रङ्गमञ्च अथवा श्री वेंकटेश्वर नाट्य मंडली एकर गठन १८८5 मे आन्ध्र प्रदेशमे भेल छल। एकर पहिल नाटक छल कीचक आपत्ति. ई एकटा पारिवारिक रङ्गमञ्च कम्पनी अछि जे हिन्दू परम्परा आ इतिहास पर आधारित कथा प्रस्तुत करैत अछि।

ई ओहि किछु मंडलीमेसँ एक अछि जे १३८ सालसँ बचल

सुरभि रङ्गमञ्च नाटक जादू, लाइव वीएफएक्सक प्रयोग आ मञ्च पर उपलब्धिक अवहेलना करबाक लेल जानल जाइत अछि।

© NCERT not to be republished

अछि। सुरभि रङ्गमञ्च एखनो निम्नलिखित नाटकक प्रदर्शन करैत अछि —

श्रीकृष्ण लीला: छोट कृष्णक कारनाम।

जय पत्थला भीरवी: लोक किंवदंती थोटा रामौडूक कथा।

भक्त प्रह्लाद: प्रह्लादक कथा — एकटा समर्पित बच्चा।

माया बाजार: दानव राजा घटोत्तकचक कथा।

श्री वेंकटेश्वर उद्भवम (श्रीनिवास कल्याणम)।

बालानागम्मा: एकटा दुष्ट जादूगरक कहानी।

कर्नाटक नाटक मंडली एकर स्थापना १८७४मे कर्नाटकक गदगमे भेल छल। एकर पाछाँ सक्केरे बालाचार्य (शान्त कवि) छथि। एहन खेलैत अछि बुश, बाणासुर आओर दाग लागल पूल मञ्च पर बहुत लोकप्रिय छलइ।

लगभग ओही समय, **हलसांगी नाटक मंडली** कर्नाटकक बीजापुर जिलाक हलसङ्गीमे शुरू भेल छल। श्रीमती परिणया, मदालसा परिणय, द्रौपदी वत्सस्त्र, आओर भौमासुर बढ़ैत अछिवेंकनाचार्य अगलगट्टी द्वारा लिखल आदि सेहो लोकप्रिय छल।

हुनका लोकनिक संरक्षण छल मैसूरक महाराजा, जे समर्थन कएने छलाह हुनका लोकनि आ प्रदर्शन कलाकेँ प्रोत्साहित करबाक लेल उदारतापूर्वक दान देलनि।

श्री चन्नबसवेश्वर नाटक मंडली या प्रसिद्ध रूप सं **गुब्बी कंपनी,** कर्नाटकक सबसँ प्रसिद्ध रङ्गमञ्च कम्पनी छल। हुनकर लोकप्रिय नाटक सधारमे, सुभद्रा, हेमारेड्डी मल्लम्मा, कतेको आन लोकक बीच हरदम हाउसफुल शो चलैत छल। लोकसभ हुनका देखबाक लेल टिकट किनबाक लेल कतेको दिन कतारमे प्रतीक्षा कएलनि!

गुब्बी कंपनी

© NCERT not to be republished

किछु अद्वितीय विशेषता —

- ई मंडली सबसँ पहिने महिलासभकेँ अभिनय करबाक अनुमति देलक।
- सबसँ प्रसिद्ध कन्नड़ अभिनेता डॉ. राजकुमार एहि कम्पनीमे अपन रङ्गमञ्च जीवनक प्रारम्भ कएलनि।
- कर्नाटकक प्रसिद्ध रङ्गमञ्च निर्देशक बी.वी. कारन्थ सेहो एहिठाम अपन वृत्तिक आरम्भ कएलनि।

वर्तमान स्थिति

स्वतन्त्रताक बाद भारतमे कंपनी थिएटरक युग धीरे-धीरे घटि गेल। बहुत रास कारक छल जे गिरावट के कारण बनल —

- अधिकांश कम्पनीक प्रबंधन आवश्यक वित्तीय दक्षताक सङ्ग नहि कएल गेल छल।
- सिनेमा उद्योगक उपन्यास तकनीक बहुत प्रबल दावेदारक रूपमे ठाढ़ छल।
- सामग्री आओर कहानी कम भ' गेल किछु कंपनी जकाँ परिवार अनुकूल अस्वास्थ्यकर हास्यक सहारा लेलक।
- शौकिया रङ्गमञ्चक अवधारणा या सोल्डरिंग आयरन रङ्गमञ्च अपन सुविधाक लेल लोकप्रियता प्राप्त कएलक।

भारतमे व्यावसायिक रङ्गमञ्च

वर्तमानमे कंपनी रङ्गमञ्चमे गिरावट आयल अछि, बहुत रास पेशेवर प्रदर्शनी अछि जे उच्च गुणवत्तावला निर्माण प्रदान करैत अछि, आइ धरि । विज्ञान आ प्रौद्योगिकीक विकासक सङ्ग रङ्गमञ्च तकनीकमे सेहो उन्नयन भेल अछि आ एहिसँ बढ़ल अनुभवक अनुमति भेटैत अछि।

© NCERT not to be republished